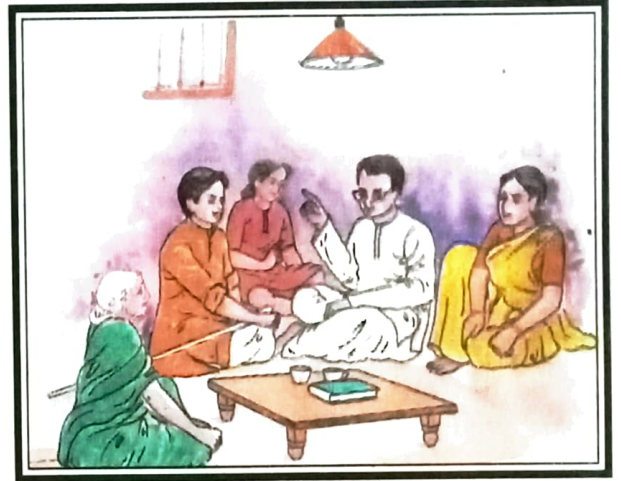




मैं स्कूल से खुश होकर लौट रही थी। पर्यावरण संरक्षण पर सबसे अच्छा लेख मेरा था। मैं घर पर दो लोगों को अपनी यह बात सबसे पहले बताना चाहती थी। एक मेरी नानी और दूसरे मेरे भैया। वे दोनों मेरी बातों से सबसे ज्यादा खुश होते हैं।

मेरी नानी, मेरे बारे में सुनने को हमेशा उत्सुक रहती हैं। भैया से मुझे हमेशा प्रेरणा मिलती है। नानी के घर में उनकी देख-भाल करने वाला कोई नहीं है। भैया की बात मानकर नानी अब हमारे साथ ही रहती है। नानी की उम्र ज्यादा है, वह ऊँचा सुनती है और उन्हें दिखता भी कम है। रोज सुबह पापा उनको अखबार जोर-जोर से पढ़कर सुनाते हैं। इस उम्र में भी नानी तरह-तरह के पकवान बनाती हैं। वो बाटी-चोखा भी बहुत अच्छा बनाती हैं। माँ ने उन्हीं से बनाना सीखा। माँ आज भी नानी से पकवान बनाने के बारे में पूछती रहती हैं। नानी के साथ हम सब मजे से रहते हैं।



चर्चा करिए—

- जब कोई व्यक्ति बूढ़ा हो जाता है, तब उनको क्या-क्या तकलीफ हो सकती है ?

मेरे भैया किशन संगीत सिखाते हैं। बच्चे उनकी बहुत इज्जत करते हैं।

भैया को संगीत सुनने, दोस्तों के साथ घूमने और बातें करने का बहुत शौक है। भैया को दिखता नहीं है फिर भी वह अपने काम खुद करते हैं। जब कभी उनको मदद की जरूरत होती है तो हम सब उनकी मदद करते हैं। भैया को पढ़ने का बहुत शौक है। भैया ने शहर जाकर संगीत सीखा। अब वह गाँव में रहकर बच्चों को संगीत सिखाते हैं। विद्यालय में 26 जनवरी के कार्यक्रम को तैयार करने में भी भैया ने सहयोग दिया था। जब भी वह घर के बाहर जाते हैं, तब एक सफेद छड़ी ले जाते हैं।





चर्चा करिए

- हम उन लोगों की मदद कैसे कर सकते हैं जिन्हें दिखता नहीं है?
- क्या आपके परिवार में ऐसा कोई सदस्य है जो देख, बोल या सुन नहीं सकता? आप उनकी मदद कैसे करते हैं ?

इसे भी जानिए –

जो लोग देख नहीं सकते उनके पढ़ने के लिए एक खास लिपि में किताबें तैयार की जाती हैं जिसे ब्रेल लिपि कहते हैं। ब्रेल एक मोटे कागज पर एक नुकीले औजार से बिंदु बनाकर लिखा जाता है। ब्रेल कागज पर हाथ फेरकर पढ़ा जाता है कि उस पर क्या लिखा है।

लुई ब्रेल फ्रांस देश का रहने वाला था। जब वह तीन साल का था तब एक नुकीले औजार से उसकी आँख में चोट लग गई और उसकी आँखें खराब हो गईं। उसे आँखों से दिखना बिल्कुल बंद हो गया। उसकी पढ़ने में बहुत रुचि थी। वह पढ़ने की तरकीबें सोचता रहता था। आखिर उसने ढूँढ़ ही लिया एक तरीका—छूकर पढ़ने का। पढ़ने की यह विधि बाद में ब्रेल लिपि के नाम से जानी जाने लगी।

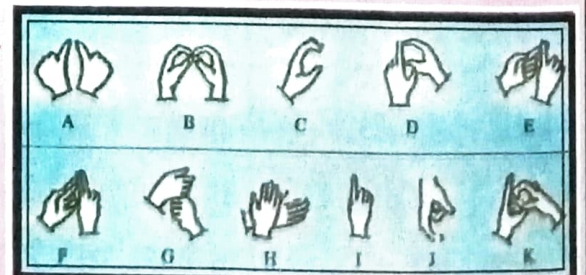
ब्रेल

a	b	c	d	e	f	g	h	i	j	k	l	m
n	o	p	q	r	s	t	u	v	w	x	y	z

इस तरह की लिपि में मोटे कागज पर उभरे बिंदु बने होते हैं। उभरे होने के कारण इन्हें छूकर पढ़ा जा सकता है। यह लिपि छः बिंदुओं पर आधारित होती है। आजकल ब्रेल में नए-नए परिवर्तन हुए हैं जिससे इसे पढ़ना-लिखना और भी आसान हो गया है। ब्रेल लिपि अब कम्प्यूटर के द्वारा भी लिखी जा सकती है।

और भी जानिए—

जो लोग सुन नहीं सकते उनके लिए सांकेतिक भाषा (sign language) इस्तेमाल की जाती है। सांकेतिक भाषा पर आधारित विशेष कार्यक्रम टी0वी0 पर प्रसारित होते हैं।



टी0वी0 पर मूक बधिर के लिए समाचार आते हैं देखो वहाँ बातों को किस प्रकार संकेतों के द्वारा समझाया जाता है।

इनको भी जानिए –

- सुधा चंद्रन को भरत नाट्यम् में प्रसिद्धि प्राप्त है। एक दुर्घटना के कारण उनका एक पैर काट दिया गया। कृत्रिम पैर (Artificial leg) की सहायता से नृत्य करके उन्होंने प्रसिद्धि प्राप्त की। इसी प्रकार राष्ट्रीय स्तर की पूर्व वॉलीबॉल खिलाड़ी एवं पर्वतारोही अरुणिमा सिन्हा ने भी कृत्रिम पैर की सहायता से एवरेस्ट की चढ़ाई की।
- रवीन्द्र जैन को आँखों से दिखाई नहीं देता। उन्होंने बहुत सारी फिल्मों और टी0वी0 कार्यक्रमों में अपना संगीत दिया है। उनके अच्छे संगीत के लिए उन्हें कई पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।
- शरत गायकवाड़ का एक हाथ खराब है। उन्होंने तैराकी के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन किया है।



भैया की ईमानदारी

शाम को भैया बोले—चलो मेला चलें। अपने पड़ोस के दोस्तों को भी बुला लो। इस बार अलग—अलग राज्यों के लोग अपनी—अपनी चीजें लेकर आए हैं। भैया ने मेला घुमाया। हमने बहुत कुछ खाया पिया। मुंबई की भेलपुरी भी खाई। भेलपुरी वाले ने गलती से छः की जगह पाँच ही लोगों के पैसे लिए। हमने सोचा चलो पैसे बच गए।



पर भैया ने हिसाब लगाया और भेलपुरी वाले को बाकी पैसे दिए। हम आपस में खुसर—फुसर कर रहे थे तो भैया ने समझाया कि नहीं अंजू हमें किसी को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए।

ईमानदार होने पर डरने की जरूरत नहीं पड़ती। आत्म विश्वास बढ़ता है। ईमानदार लोगों को सभी पसंद करते हैं।

उस दिन हमने भैया से जो सीखा उसे कभी नहीं भूलेंगे।



चर्चा करिए—

- अगर भैया कम पैसे देकर चले आते, तो बच्चे उनके बारे में क्या सोचते? आप इस बारे में क्या सोचते हैं।



1. उत्तर लिखो—

- (क) किशन के परिवार में कौन-कौन है ?
 - (ख) किशन बच्चों को क्या सिखाते हैं ?
 - (ग) हमें ईमानदार क्यों होना चाहिए ?
 - (घ) पाठ में अंजू ने अपने भैया को क्या-क्या बातें बताई हैं ?
 - (ङ) ब्रेल से आप क्या समझते हैं ?
2. क्या आपके साथ कोई ऐसी घटना हुई जिसमें लगा हो कि आपने ईमानदारी का पालन किया था ? उस घटना के बारे में लिखिए।
 3. पर्यावरण संरक्षण पर पाँच वाक्य लिखिए।
 4. उन लोगों की सूची बनाइए जो आपके विद्यालय के कामों में सहयोग देते हैं ? और यह भी लिखिए कि उनके सहयोग से आपको क्या लाभ हुआ ?
 5. अगर कभी दुकानदार गलती से आपको ज्यादा पैसे वापस कर दे तो आप क्या करेंगे ?



प्रोजेक्ट वर्क

क्या किशन जैसे लोगों की मदद के लिए कोई योजनाएँ चल रही हैं ? अपने बड़ों या शिक्षक की सहायता से पता करिए और उन योजनाओं की सूची बनाइए।

शिक्षक निर्देश—

- 1 - बच्चे ब्रेललिपि को देखेंगे तो बेहतर ढंग से समझ पाएंगे। ब्रेललिपि की जानकारी देते समय बच्चों को वास्तविक ब्रेलशीट दिखाना अच्छा रहेगा।
- 2 - इस उदाहरण द्वारा बच्चों का ध्यान इस तरफ खींचा जा सकता है कि हमारे परिवार और समाज में कुछ ऐसे व्यक्ति होते हैं जो सामान्य न होते हुए भी बहुत प्रतिभावान होते हैं।
- 3 - पुरानी बातों को जानने को महत्वपूर्ण स्रोत हमारे बुजुर्ग होते हैं। बच्चों के अन्दर यह समझ विकसित होने से वह बुजुर्गों के साथ समय बिताएंगे।